



Famous Quotes of Dr. B.R. Ambedkar

1. "They cannot make history who forget history". - B. R. Ambedkar
2. "We are Indians, firstly and lastly." - B. R. Ambedkar
3. "I like the religion that teaches liberty, equality and fraternity" - B. R. Ambedkar
4. "Life should be great rather than long". - B. R. Ambedkar
5. "If I find the constitution being misused, I shall be the first to burn it." - B. R. Ambedkar
6. "Cultivation of mind should be the ultimate aim of human existence". - B. R. Ambedkar
7. "In Hinduism, conscience, reason and independent thinking have no scope for development." - B. R. Ambedkar
8. "People and their religion must be judged by social standards based on social ethics. No other standard would have any meaning if religion is held to be necessary good for the well-being of the people." - B. R. Ambedkar
9. "For a successful revolution it is not enough that there is discontent. What is required is a profound and thorough conviction of the justice, necessity and importance of political and social rights." - B. R. Ambedkar
10. "I measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved." - B. R. Ambedkar
11. "Men are mortal. So are ideas. An idea needs propagation as much as a plant needs watering. Otherwise both will wither and die." - B. R. Ambedkar
12. "Every man who repeats the dogma of Mill that one country is no fit to rule another country must admit that one class is not fit to rule another class." - B. R. Ambedkar
13. "The relationship between husband and wife should be one of closest friends." - B. R. Ambedkar

14. "Political tyranny is nothing compared to the social tyranny and a reformer who defies society is a more courageous man than a politician who defies Government." - B. R. Ambedkar

15. "A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." - B. R. Ambedkar

16. "Law and order are the medicine of the body politic and when the body politic gets sick, medicine must be administered." - B. R. Ambedkar

17. "The sovereignty of scriptures of all religions must come to an end if we want to have a united integrated modern India." - B. R. Ambedkar

18. "Unlike a drop of water which loses its identity when it joins the ocean, man does not lose his being in the society in which he lives. Man's life is independent. He is born not for the development of the society alone, but for the development of his self." - B. R. Ambedkar

19. "What are we having this liberty for? We are having this liberty in order to reform our social system, which is full of inequality, discrimination and other things, which conflict with our fundamental rights." - B. R. Ambedkar

20. "History shows that where ethics and economics come in conflict, victory is always with economics. Vested interests have never been known to have willingly divested themselves unless there was sufficient force to compel them." - B. R. Ambedkar

डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सर्वश्रेष्ठ अनमोल विचार व कथन

1. "जो कौम अपना इतिहास नहीं जानती, वह कौम कभी भी इतिहास नहीं बना सकती।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर
2. हम आदि से अंत तक भारतीय हैं।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
3. मैं ऐसे धर्म को मानता हूँ जो स्वतंत्रता", समानता, और भाईचारा सीखाये।" - डॉ . भीम राव अम्बेडकर
4. जीवन लम्बा होने की बजाये महान होना चाहिए ।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
5. यदि मुझे लगा कि संविधान का दुरुपयोग किया जा रहा है", तो मैं इसे सबसे पहले जलाऊंगा।"- डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
6. बुद्धि का विकास मानव"के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।" - डॉ. भीम . राव अम्बेडकर
7. हिंदू धर्म में", विवेक, कारण, और स्वतंत्र सोच के विकास के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
8. मनुष्य एवम उसके धर्म को समाज के द्वारा" नैतिकता के आधार पर चयन करना चाहिये |अगर धर्म को ही मनुष्य के लिए सब कुछ मान लिया जायेगा तो किन्ही और मानको का कोई मूल्य नहीं रह जायेगा ।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
9. एक सफल क्रांति के लिए सिर्फ असंतोष का होना ही काफी नहीं है", बल्कि इसके लिए न्याय, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था का होना भी बहुत आवश्यक है।" - डॉ. भीम राव अम्बेडकर .
10. किसी भी कौम का विकास उस कौम की महिलाओं के विकास से मापा जाता है" ।"- डॉ. भीम राव अम्बेडकर .

11. जिस तरह मनुष्य नश्वर है ठीक उसी तरह विचार भी नश्वर हैं। जिस तरह पौधे " को पानी की जरूरत पड़ती है उसी तरह एक विचार को प्रचारप्रसार की जरूरत होती है - वरना दोनों मुरझा कर मर जाते हैं।"- डॉभीम राव अम्बेडकर .
12. हर व्यक्ति जो मिल के सिद्धांत कि एक देश दूसरे देश पर शासन नहीं कर " सकता को दोहराता है उसे ये भी स्वीकार करना चाहिए कि एक वर्ग दूसरे वर्ग पर शासन नहीं करसकता।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .
13. पत्नी के बीच का सम्बन्ध घनिष्ट मित्रों के सम्बन्ध के सामान होना चाहिए -पति" ।"- डॉभीम राव अम्बेडकर .
14. राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और एक " सुधारक जो समाज को खारिज कर देता है वो सरकार कोखारिज कर देने वाले राजनीतिज्ञ से ज्यादा साहसी हैं।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .
15. एक" महान व्यक्ति एक प्रख्यात व्यक्ति से एक ही बिंदु पर भिन्न हैं कि महान व्यक्ति समाज का सेवक बनने के लिए तत्पर रहता हैं।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .
16. क़ानून और व्यवस्था"राजनीति रूपी शरीर की दवा है और जब राजनीति रूपी शरीर बीमार पड़ जाएँ तो दवा अवश्य दी जानी चाहिए।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .
17. यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं", तो सभी धर्मों के धर्मग्रंथों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .
18. सागर में मिलकर अपनी पहचान खो देने वाली पानी की एक बूँद के " विपरीत , इंसान जिस समाज में रहता है वहां अपनी पहचान नहीं खोता । इंसान का जीवन स्वतंत्र है । वो सिर्फ समाज के विकास के लिए नहीं पैदा हुआ है , बल्कि स्वयं के विकास के लिए पैदा हुआ है ।"- डॉभीम . राव अम्बेडकर

19. हमारे पास यह स्वतंत्रता किस लिए है"? हमारे पास ये स्वतंत्रता इसलिए है ताकि हम अपने सामाजिक व्यवस्था, जो असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी है, जो हमारे मौलिक अधिकारों से टकराव में है, को सुधार सकें।" - डॉभीम राव अम्बेडकर .

20. इतिहास" गवाह हैं कि जहाँ नैतिकता और अर्थशास्त्र के बीच संघर्ष होता है वहां जीत हमेशा अर्थशास्त्र की होती है। निहित स्वार्थों को तब तक स्वेच्छा से नहीं छोड़ा गया है जब तक कि मजबूर करने के लिए पर्याप्त बल ना लगाया गया हो।" - डॉभीम राव .
अम्बेडकर